<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3820

28 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)

की इकाइयों के रणनीतिक विनिवेश का औचित्य

3820. श्री संजय सिंहः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि हालांकि विश्व स्तर पर इस्पात की ज्यादा आपूर्ति और मांग परावर्तन 2012 में शुरू हुई थी, सरकार ने इस संबंध में देरी दिखाते हुए फरवरी, 2016 में ही उचित सुरक्षोपाय किए, तब तक भारतीय इस्पात उद्योग को पहले ही काफी क्षति हो चुकी थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि टेलीकॉम उद्योग की ही भांति भारतीय इस्पात उद्योग संकटग्रस्त है; और

(ग) यदि हां, तो एक तरफ सेल की तीन इकाइयों यथा सलेम इस्पात संयंत्र, विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) और चंद्रपुर फेरो एलॉय संयंत्र के रणनीतिक विनिवेश और गैर-इस्पात उत्पादनकारी राज्यों में सेल द्वारा 11 नये इस्पात प्रसंस्करण इकाइयां (एसपीयू) खोलने के पीछे क्या तर्क हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान विश्व स्तर पर इस्पात की अत्यधिक आपूर्ति और माँग में कमी का भारत में प्रतिकूल प्रभाव दिखना आरंभ हो गया है कि जब कुल इस्पात (अलॉय + गैर-अलॉय) के आयातों में 75.5% की वृद्धि हुई। भारत सरकार ने तद्नुसार केन्द्रीय बजट 2015-16 में बेसिक सीमा-शुल्क की उच्चतम दर को 10% से बढ़ाकर 15% कर दिया है। सरकार ने कम गुणवत्ता वाले उत्पादों के आयात को रोकने के लिए व्यापारिक उपचारी उपाय, यथा- एंटी डंपिंग ड्यूटी (एडीडी), सेफगार्ड ड्यूटी (एसडी), न्यूनतम आयात

मूल्य (एमआईपी), काउंटर वेलिंग ड्यूटी (सीवीडी) इत्यादि लगाई है और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं।

(ख) और (ग): कुछेक इस्पात कंपनियों, जो पर्याप्त रूप से ऋणग्रस्त हैं, के नाम नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में भेज दिए गए हैं। अक्टूबर, 2016 में आर्थिक कार्यों संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) से प्राप्त सैद्धांतिक अनुमोदन के आधार पर सेल की निम्नलिखित तीन यूनिटों का योजनाबद्ध विनिवेश किया जा रहा है:

1. सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)
2. विश्वेश्वरैया लोहा और इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) और
3. अलॉय इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (एएसपी)

इन तीनों यूनिटों को बंद नहीं किया जा रहा है लेकिन प्रौद्योगिकी, निधि और कुशल प्रबंधन वाले रणनीतिक साझेदार को शामिल करके कार्य-निष्पादन में सुधार लाने का इरादा तय किया गया है।

*****